>

Title: Need to take urgent remedial measures to minimize air pollution in the country.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) की रिपोर्ट, जो सेंटर फॉर साइंस एंड एनवॉयरमेंट की एक कार्यशाला में 13.2.2013 में वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत की गयी है, के अनुसार विगत 13 वर्षों में हमारे देश में वायु प्रदूषण से मरने वालों की संख्या 6 गुणा से अधिक बढ़ गयी है। वर्ष 2000 में, जबकि यह रिपोर्ट आई थी तो उस समय वायु प्रदूषण से मरने वालों की संख्या लगभग एक लाख थी ।

उच्च रक्तचाप, धूम्रपान, कुपोषण और इंडोर वायु प्रदूषण के साथ-साथ वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले ही लोगों की मौतें हो रही हैं, जो हमारे लिए अत्यधिक दुखदायी है । वायु, जो हमारे जीवन का एक अहम अंग है तथा जिसके अभाव में मानव जीवन असंभव है, उसका इतना अधिक प्रदूषित होना हमारे लिए एक खतरे का प्रतीक है । एनवायर्नमेंटल सांइटिस्ट्स के अनुसार देश में मौत की 5वीं बड़ी वजह वायु प्रदूषण है । इसलिए, इस ओर विशेष ध्यान देने की नितांत आवश्यकता है ।

अतः ऐसी परिस्थिति में मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर रोक लगाए जाने हेतु आवश्यक कदम तत्काल उठाए, जिससे मानव जीवन सुरक्षित हो सकें ।